तेरी अंखिया हैं जादू भरी बिहारी मैं तो कब से खड़ी

तेरी अंखिया हैं जादू भरी, बिहारी मैं तो कब से खड़ी ।

सुनलो मेरे श्याम सलोना, तुमने ही मुझ पर कर दिया टोना ।
मेरी अंखियां तुम्ही से लड़ी, बिहारी मैं तो कब से खड़ी ॥

तुम सा ठाकुर और ना पाया, तुमसे ही मैंने नेहा लगाया ।
मैं तो तेरे ही द्वार पे पड़ी, बिहारी मैं तो कब से खड़ी ॥

कृपा करो हरिदास के स्वामी, बांके बिहारी अन्तर्यामी ।
मेरी टूटे ना भजन की लड़ी, बिहारी मैं तो कब से खड़ी ॥

स्वर : पूज्य कृष्ण चन्द्र शास्त्री (ठाकुर जी)

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/352/title/teri-ankhiaan-hain-jaadu-bhari-bihaari-main-to-kab-se-khadi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |